ॐ जय श्री श्याम हरे ओ बाबा जय श्री श्याम हरे खाटू धाम विराजत, अनुपम रूप धरे Bhajans

ॐ जय श्री श्याम हरे ओ बाबा जय श्री श्याम हरे
खाटू धाम विराजत, अनुपम रूप धरे
ॐ जय श्री श्याम हरे

रतन जड़ित सिंघासन, सिर पर चंवर ढुरे
तन केसरिया बागो,कुण्डल श्रवण पड़े
ॐ जय श्री श्याम हरे

गल पुष्पों की माला,सिर पर मुकुट धरे
खेवत धुप अग्नि पर दीपक ज्योत जरे
ॐ जय श्री श्याम हरे

मोदक खीर चूरमा सुबरन थाल भरे
सेवक भोग लगावत, सेवा नित्य करे
ॐ जय श्री श्याम हरे

झाँझ कटोरा और घडियावल,संख मृदंग धुरे
भक्त आरती गावे,जय जय कार करे

ॐ जय श्री श्याम हरे

जो ध्यावे फल पावे,सब दु:ख से उबरे
सेवक निज मुख से श्री श्याम श्याम उच्चरे
ॐ जय श्री श्याम हरे

श्री श्याम बिहारीजी की आरती जो कोई नर गावे
कहत आलूसिंह स्वामी,मनवांछित फल पावे
ॐ जय श्री श्याम हरे

ॐ जय श्री श्याम हरे ओ बाबा जय श्री श्याम हरे
निज भक्तो के तुमने पूरण काम करे

Source:
https://www.bharattemples.com/om-jay-shree-shyam-hare-o-baba-jai-shri-shyam-hare/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw